बागियों को हरदा ने घोंसला बदलने वाली चिड़िया ठहराया

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वर्ष 2016 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन करने वाले नेताओं पर तब के सीएम हरीश रावत एक बार फिर से बरसे हैं। रावत ने पिछले दिनों इन नेताओं को लोकतंत्र व उत्तराखंड के विकास के अपराधी बताते हुए माफी मांगने की मांग की थी। आज फिर उन्होंने कांग्रेस के इन बागियों को लेकर जबरदस्त तंज कसा है।

हरीश ने कांग्रेस छोड़ने वालों को फिर लिया निशाने पर

रावत ने सोशल मीडिया के जरिये चंद शब्दों में ही बड़े घाव करने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा है कि घोंसला बदलने वाली कुछ चिड़ियां बहुत चहचहा रही हैं। वह इसलिए कि शायद उनके आंगन में कुछ दाने हैं। वे आगे लिखते हैं कि इसके बाद भी अधिकतर घोंसला बदल चिड़ियां चुप हैं। शायद उनको आंगन सूखा दिखाई दे रहा है। बागियों की इस चुप्पी पर उन्होंने जबरदस्त तंज कसते हुए कहा है कि बहेलिया या शिकारी अब घाघ हो चुका है, उसकी निगाह सतर्क हैं।

वानप्रस्थ शब्द पर भाजपा को घेरा

देहरादून। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने संन्यास लेने के भाजपा के सुझाव पर कहा है कि आजकल भाजपा के दोस्तों को वानप्रस्थ शब्द में कुछ ज्यादा ही रुचि बढ़ गयी है। रावत ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि नयापुराना हर भाजपाई मुझको देखकर वानप्रस्थ का जुमला उछाल रहा है। वे आगे कहते हैं कि दोस्तो वे उन्हें निराश नह करेंगे। वे लिखते हैं कि बस यह तय करना बाकी है कि 2022 में देहरादून से भाजपा को वानप्रस्थ में भेजने के बाद सुझाव पर अमल करूं या 2024 में दिल्ली से भाजपा को वानप्रस्थ में भेजने के बाद। रावत कहते हैं, इसलिए वे खुश हो जाएं कि उसके बाद एक दिन वानप्रस्थ अवश्य लेंगे।

कृत्रिम गर्भाधान योजना का दूसरा चरण एक अगस्त से

देहरादून (एसएनबी)। राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान योजना का दूसरा चरण एक अगस्त से 31 मई 2021तक संचालित किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक जनपद में 50 हजार पशुओं को सफलतापूर्वक गर्भित करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2019-20 में 92 प्रतिशत पशु गर्भित हुए। इससे उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है, जिसे यह सफलता प्राप्त हुई।

मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सचिव पशुपालन डा. आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने बताया कि पशु नस्ल में सुधार और उच्च आनुवांशिक गुणवत्ता के पशुओं की संख्या में वृद्धि करके पशुपालकों की आजीविका में वृद्धि करना योजना का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान योजना(द्वितीय चरण) प्रदेश के सभी जनपदों के सभी ग्रामों में राजकीय, बायफ, डेयरी व प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध होगी। योजना में प्रत्येक जनपद में 50 हजार पशुओं को सफलतापूर्वक गर्भित करने का लक्ष्य रखा गया है। एक बार में पशु गर्भित न होने पर दूसरी व तीसरी बार तक निःशुल्क कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा दी जायेगी। इसके तहत पौड़ी में लिंग वर्गीकृत वीर्य से हीट सिंक्रोनाइजेशन व कृत्रिम गर्भाधान कार्य से एक समूह में एक दिन में 1610 पशुओं को गर्भित किया गया, जिसमें 575 पशु गर्भित हुए।

100 रुपए में होगा लिंग वर्गीकृत वीर्य उपलब्ध : उन्होंने बताया कि प्रत्येक कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता राजकीय व प्राइवेट को प्रत्येक गर्भाधान पर 100 रुपए देय होगा। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष देशी गाय भैंस के लिंग वर्गीत वीर्य से तीन लाख पशु गर्भित करने का लक्ष्य है। डा. सुन्दरम के अनुसार वर्तमान में प्रदेश का दुग्ध उत्पादन प्रतिवर्ष 792 मी. टन है, जिसे 3,000 40 टन तक प्राप्त करने का लक्ष्य है। दुग्ध उत्पादन वृद्धि के लिए नवीनतम आनुवंशिक उन्नयन वाली तकनीकों का विशेष महत्व है। इसके उपरांत इन पशुओं को संतुलित पशु आहार प्रदान कर व रोगों पर नियंत्रण से मध्यम से अधिक उत्पादक बनाया जा सकता है।

अभियान अगले वर्ष 31 मई तक संचालित किया जाएगा

50 हजार पशुओं को सफलतापूर्वक गर्भित करने का लक्ष्य

प्रथम लिंग वर्गीत वीर्य उत्पादन प्रयोगशाला : श्यामपुर ऋषिकेश में स्थापित प्रथम लिंग वर्गीकृत वीर्य उत्पादन प्रयोगशाला ने उत्साहवर्द्धक परिणाम देना प्रारम्भ कर दिया है। भारत सरकार के राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत स्थापित इस प्रयोगशाला ने हाल ही में एक वर्ष पूर्ण किया है। इसे राजकीय क्षेत्र में देश की प्रथम लिंग वर्गीकृत पशु वीर्य उत्पादन प्रयोगशाला होने का गौरव प्राप्त है।

19,264 पशुओं में किया कृत्रिम गर्भाधान : लिंग वर्गीकृत वीर्य से 19,264 से अधिक गाय एवं भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान किया जा चुका है। इनमें से 11,050 पशुओं के गर्भ परीक्षण में 5,295 पशु पाये गये हैं।

उत्तराखंड में है मादाओं के पैदा होने की संभावना : उत्तराखंड राज्य में आगामी कुछ वर्षों में उच्च उत्पादन क्षमता वाली अनेक मादाओं के पैदा होने की संभावना है। इस तकनीक के उपयोग से दुधारू पशुओं की उत्पादकता एवं पशुपालकों की आजीविका में वृद्धि निश्चित है। राज्य एवं भारत सरकार ने इस अभिनव तकनीक की बढ़ी हुई कीमत को कृषकों के लिए कम करने के लिए विशेष प्रयास किये हैं।

हिमालयन मीट के नाम से करेगे ब्राडिंग : सुन्दरम ने बताया कि वकरी पालन के तहत जिसके पास 10 वकरियां हैं, उन्हें 10 वकरियां राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क दी जा रही हैं। इसके लिए एक सोसायटी बनायी गयी है। आगामी दिनों मे इसके लिए एक स्लाटर हाउस बनाया जाएगा और हिमालयन मीट के नाम से इसकी ब्राडिंग की जाएगी। आस्ट्रेलिया से आयी मेरीनो भेड़ के बारे में उन्होंने बताया कि वे सुरक्षित व पूरी हैं। उनकी ब्रीड बढ़ायी जाएगी और आने वाले कुछ सालों में उनका उन हमें आयात नह करन पड़ेगा।

जमात मामले में सुनवाई तेज करने पर हो विचार

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केन्द्र से कहा कि तबलीगी जमात की गतिविधियों में कथित रूप से संलिप्त नौ विदेशियों के मुकदमों की तेजी से सुनवाई की संभावना पर विचार किया जाये। इन विदेशी नागरिकों ने वीजा नियमों के उल्लंघन के आरोपों में अपना जुर्म कबूल नह किया है पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से इस मामले की सुनवाई के दौरान केन्द्र को इन विदेशियों के मुकदमों की तेजी से सुनवाई की संभावना पर विचार करने का सुझाव दिया।

समाचार व विज्ञापन बुकिंग हेतु सम्पर्क करें

देहरादून : राष्ट्रीय सहारा कार्यालय
शेड नं.-3, इंडस्ट्रियल एरिया
पटेलनगर
मो. 9997998206, 8218780638
फोन : 01352527301

ऋषिकेश : राष्ट्रीय सहारा कार्यालय
आदर्श ग्राम, निकट
जी.जी.आई.सी., देहरादून रोड
मो. 9412050939, 9639872222

विकासनगर : न्यू टेलीफोन एक्सचेंज